सत्यमेव जयते

राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड

प्रेस विज्ञप्ति

13 व 14 मार्च, 2021 को आयोजित होगा वसन्तोत्सव–2021, राज्यपाल ने दी मीडिया को जानकारी

राजभवन देहरादून 11 मार्च, 2021

राज्यपाल श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने गुरूवार को राजभवन में 13 व 14 मार्च, 2021 को आयोजित होने वाली पुष्प प्रदर्शनी वसंतोत्सव–2021 की जानकारी मीडिया को दी। राज्यपाल ने कहा कि ''इन दो दिनों में पुष्प उत्पादकों के लिए कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि इस वसन्तोत्सव में वृदांवन की फूलों की होली का आयोजन किया जायेगा। इसके साथ ही माह अगस्त–सितम्बर, 2021 में सेब व लीची महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। इससे स्थानीय फलोत्पादकों को प्रोत्साहन मिल सके। राज्यपाल ने वसंतोत्सव के प्रचार–प्रसार के लिये पुष्प रथ को भी रवाना किया। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर राजभवन में फूलों से शिवलिंग भी बनाया गया था, जिसका राज्यपाल श्रीमती मौर्य द्वारा पूजन अर्चन किया गया। पुष्प प्रदर्शनी का उदघाटन राज्यपाल श्रीमती मौर्य द्वारा 13 मार्च, 2021 को प्रातः 9.30 बजे किया जायेगा। आम जन के लिये प्रदर्शनी दोनो दिन सायं 6 बजे तक खुली रहेगी। दिनांक 14 मार्च को सायं 4 बजे पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह किया जायेगा।

राज्यपाल श्रीमती मौर्य ने बताया कि इस वर्ष पुष्प प्रदर्शनी में बच्चों की सहभागिता बढ़ाने के लिए विशेष निर्णय लिया गया है। उदघाटन से एक दिन पूर्व शुक्रवार 12 मार्च, 2021 को दोपहर बाद गरीब, दिव्यांग एवं वंचित वर्ग के बच्चों के सहित अन्य बच्चों को विशेष रूप से प्रदर्शनी के लिए आमंत्रित किया जायेगा। ये बच्चे इस पुष्प प्रदर्शनी के प्रथम दर्शक होंगे। उन्होंने बताया कि राजभवन में वसंत उत्सव की परम्परा 2003 से प्रारम्भ की गई। पुष्प प्रदर्शनी के रूप में शुरू हुआ यह आयोजन दिनों–दिन लोकप्रिय होकर अब एक बड़े सांस्कृतिक व आर्थिक महोत्सव का रूप ले चुका है। देहरादून के लोग हर साल बेसब्री से वसंत उत्सव का इंतजार करते हैं। राजभवन में आयोजित किया जाने वाला वसंत उत्सव, वर्तमान में देहरादून की पहचान बन चुका है। पिछले वर्ष कोविड–19 के कारण इस पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन नही कर पाये थे। परन्तु इस वर्ष सभी सावधानियों के साथ इसका आयोजन करने का निर्णय लिया गया है।

इस अवसर पर सचिव श्री राज्यपाल श्री बृजेश संत, सचिव उद्यान श्री हरबंश सिंह चुघ, अपर सचिव राज्यपाल श्री जितेन्द्र कुमार सोनकर, निदेशक उद्यान डॉ. एच.एस.वावेजा आदि उपस्थित थे।

नोट :– विस्तृत विवरण संलग्न।

———————

बसन्तोत्सव – 2021

13 एवं 14 मार्च, 2021 राजभवन, देहरादून

प्रस्तावनाः

आदिकाल से ही पुष्प का सुख, शान्ति, सौन्दर्य एवं खुशी की अभिव्यक्ति में विशिष्ट स्थान रहा है। पूर्व में पुष्पोत्पादन मात्र एक शौक था, परन्तु समय के साथ–साथ इसके उपयोग एवं मॉग में वृद्धि के कारण यह व्यवसायिक स्वरूप लेता जा रहा है। उत्तराखण्ड राज्य की भौगोलिक परिस्थितियॉ एवं उपलब्ध जलवायु पुष्पोत्पादन के लिए उपयुक्त है। कम क्षेत्रफल से अधिक आय प्राप्त होने के कारण कृषकों/उत्पादकों में इसके उत्पादन की अभिरूचि में वृद्धि हो रही है। इस विशिष्टता के दृष्टिगत इसे स्वरोजगार के महत्वपूर्ण साधन एवं उद्यम के रूप में बढ़ाये जाने के लिये उद्यान विभाग द्वारा हर सम्भव प्रयास किये जा रहे हैं।

प्रतिवर्ष राजभवन के प्रागंण में बसन्तोत्सव के आयोजन से पुष्पोत्पादन के क्षेत्र में जनसाधारण एवं कृषकों में विशेष जागरूकता एवं अभिरूचि विकसित हुई है। परिणामस्वरूप उत्तराखण्ड राज्य के गठन से पूर्व प्रदेश में मात्र 150 हेक्टेयर क्षेत्रफल में पुष्प उत्पादन होता था, जो वर्तमान में बढ़कर 1635 है0 हो गया है, जिसमें गुलाब, गेंदा, रजनीगंधा के अतिरिक्त कटफ्लावर के रूप में जरबेरा, कारनेशन, ग्लेडियोलस, लीलियम, गुलदाउदी, आर्किड आदि का प्रमुखता से व्यवसायिक उत्पादन किया जा रहा है। संरक्षित खेती के अन्तर्गत पॉलीहाउस में नवीनतम तकनीकियों का समावेश करते हुए फूलों की खेती की जा रही है। वर्तमान में लगभग 3056 मै0टन लूज फ्लावर (गुलाब, गेंदा, रजनीगंधा एवं अन्य) तथा 19.14 करोड़ कटफ्लावर का उत्पादन हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि कटफ्लावर का उत्पादन मुख्य रूप से देहरादून, हरिद्वार, ऊधमसिंहनगर, नैनीताल जनपदों में किया जाता है तथा इन पुष्पों का विपणन स्थानीय बाजार के साथ–साथ दिल्ली, मेरठ, कानपुर, लखनऊ, चण्डीगढ़ आदि महानगरों में किया जाता है। वर्तमान में राज्य में लगभग रू0 250.00 करोड़ के फूलों का व्यापार किया जा रहा है।

राज्य में पुष्पोत्पादन हेतु उपलब्ध विलक्षण जलवायु, कम क्षेत्रफल में अधिक उत्पादन एवं आय, विपणन हेतु प्रमुख बाजारों की निकटता के दृष्टिगत राज्य को पुष्प प्रदेश बनाने के उददेश्य से उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा प्रतिवर्ष राजभवन, देहरादून के गरिमामय परिसर में बसन्तोत्सव का आयोजन वर्ष 2003 से आरम्भ किया गया, जो प्रतिवर्ष बसन्त ऋतु में आयोजित किया जाता है। इस वर्ष भी विभाग द्वारा दिनांक 13 एवं 14 मार्च, 2021 को राजभवन, देहरादून में बसन्तोत्सव–2021 (Spring Festival-2021) का आयोजन किया जा रहा है।

बसन्तोत्सव 2021 के महत्वपूर्ण आकर्षण–

- जनमानस तथा कृषकों में पुष्प उत्पादन के प्रति अभिरूचि बढ़ाने के लिये बसन्तोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है–

i- कट फ्लावर

ii- पॉटेड प्लान्टस प्रबन्धन

iii- लूज फ्लावर प्रबन्धन
iv- पुष्प के अतिरिक्त पॉटेड प्लान्टस
v- कैक्टस एवं सकुलेन्ट्स
vi- हैंगिंग पॉटस
vii- ऑन द स्पॉट फोटोग्राफी
viii- ताजे पुष्प दलों की रंगोली
ix- खाने योग्य पुष्पों की प्रतियोगिता
x- लॉन
xi- विद्यालयी एवं अन्य बच्चों हेतु पेंटिंग प्रतियोगिता (12 से 18 वर्ष आयु वर्ग मात्र)

उपरोक्त 11 मुख्य प्रतियोगिताओं की श्रेणी में कुल 46 उप श्रेणी हैं, जिनमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार दिये जायेगें। इस प्रकार कुल 138 पुरस्कार निर्णायक मण्डल के निर्णय के उपरान्त दिनांक 14 मार्च, 2021 को विजेताओं को प्रदान किये जायेगे। इसके अतिरिक्त पात्रता के आधार पर सांत्वना पुरूस्कार भी प्रदान किये जायेगें।

- कृषि एवं औद्यानिकी में मधुमक्खियों का विशेष महत्व है। यें फलदार पौधों, सब्जी, मसाला, तिलहन, दलहन एवं जंगली पौधों के पुष्पों के परागण में महत्वूर्ण भूमिका निभाती हैं। *एपिस सिराना* मधुमक्खी हिमालय के पर्वतीय क्षेत्रों में मौनपालकों द्वारा पाली जाती हैं एवं रोजगार के साधन प्रदान करती हैं। प्रचुर मात्रा में मधुमक्खियों हेतु उपयुक्त पौधों की उपलब्धता, वनों के वृहद क्षेत्रफल एवं जैविक खेती के अन्तर्गत बढ़ते क्षेत्रफल के दृष्टिगत उत्तराखण्ड में उत्पादित शहद अत्यधिक गुणवत्ता से परिपूर्ण है। मौनपालक शहद के अतिरिक्त मोम तथा पराग का भी उत्पादन करते हैं, जोकि मानव स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है। इसके दृष्टिगत इस वर्ष ***एपिस सिराना*** (*Apis cerana*) मधुमक्खी को विशेष आवरण जारी किये जाने हेतु चयनित किया गया है, जिसका अनावरण डाक विभाग के सहयोग से माननीय राज्यपाल महोदया, उत्तराखण्ड के कर कमलों द्वारा दिनॉक 13 मार्च, 2021 को बसन्तोत्सव के उद्घाटन अवसर पर किया जायेगा।
- इस वर्ष प्रथम बार आमजन को यह सूचित करने के लिए कि पुष्पों का उपयोग सजावट के अतिरिक्त खाद्य पदार्थ के रूप में भी किया जा सकता है। खाने योग्य पुष्पों (Edible Flowers) यथा– गुलाब, गुडहल, रोडोडेन्ड्रॉन, कैलेन्डुला, स्ट्रॉबेरी ब्लॉसम इत्यादि की प्रतियोगिता सम्मिलित की गई है। जनपद देहरादून में ''एक जनपद एक उत्पाद'' के अन्तर्गत बेकरी उत्पादों का चयन किये जाने के फलस्वरूप बेकरी उत्पादों हेतु उपयुक्त खाने योग्य फूलों को भी प्रतियोगिता में प्रथम बार सम्मिलित किया गया है।
- इस वर्ष लॉन (व्यक्तिगत, संस्थागत आदि) प्रतियोगिता को भी पुनः बसन्तोत्सव–2021 में आरम्भ किया गया है।
- इस दो दिवसीय आयोजन में राज्य के लगभग 30 विभागों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा, जिसमें उद्यान विभाग के अतिरिक्त विभिन्न शोध संस्थान/कृषि विश्वविद्यालय/बोर्ड/निगम आदि प्रमुख होगें। इन विभागों/संस्थानों द्वारा आयोजन में अपना स्टॉल लगाकर अपने विभाग के जनोपयोगी कार्यक्रमों/तकनीकियों का उत्कृष्टता के आधार पर प्रदर्शन किया जायेगा।

- गत वर्षों की भॉति इस वर्ष भी राजभवन में रोपित ट्यूलिप पुष्प बसन्तोत्सव के अवसर पर अपनी अनुपम सुन्दरता प्रदर्शित करेगें।
- बसन्तोत्सव में विभिन्न पुष्प उत्पादकों (खुले में एवं संरक्षित वातावरण में उत्पादन) तथा पुष्प नर्सरी उत्पादकों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा।
- उक्त के अतिरिक्त औद्यानिक यन्त्र, बायोफर्टिलाइजर, जैविक कीटव्याधि नियंत्रक उत्पादन करने वाली विभिन्न फर्मों को आमन्त्रित किया गया है। औद्यानिक गतिविधियों से जुड़े गैर सरकारी संस्थाओं/स्वयं सहायता समूहों/स्थानीय उत्पादक संगठनों द्वारा भी अपने कार्यक्रमों/उत्पादों का प्रदर्शन किया जायेगा।
- स्कूल के 12 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों द्वारा पेन्टिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया जायेगा। साथ ही दिव्यांग एवं वंचित वर्ग के बच्चों द्वारा भी पेन्टिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया जायेगा।
- संस्कृति विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा प्रथम दिवस (13 मार्च, 2021) को सांय काल 01 घण्टे का सांस्कृतिक सन्ध्या का आयोजन किया जायेगा, जिसमें स्थानीय भाषाओं के हरियाली से सम्बन्धित गीत, पुराने हिन्दी गीत एवं भजनों का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जायेगा। इस कार्यक्रम की अवधि में माइक्रोफोन द्वारा समय–समय पर भीड़ एकत्रित न होने एवं कोविड–19 के मानकों को ध्यान में रखने सम्बन्धित निवेदन विनम्रतापूर्वक किया जायेगा।
- भारतीय सैन्य संस्थान (Indian Military Academy), इण्डो तिब्बत बार्डर पुलिस (ITBP) एवं पी0एस0सी0 के बैंड आकर्षण का मुख्य केन्द्र रहेगें।
- इस दो दिवसीय आयोजन में लोगों के खान–पान की सुविधा के लिए विभाग द्वारा गतवर्षों की भांति आई0एच0एम0 एवं जी0आई0एच0एम0 एवं अन्य संस्थाओं के द्वारा फूड कोर्ट में विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट, पौष्टिक, गुणवत्तायुक्त व्यंजनों के पैक्ड फूड की व्यवस्था की जायेगी तथा बैठने की व्यवस्था नहीं की जायेगी, हाईजीन एवं सैनिटेशन का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
- नगर निगम, देहरादून द्वारा राजभवन एवं उसके आस–पास के क्षेत्रों में कोविड–19 के दृष्टिगत विशेष साफ–सफाई की व्यवस्था की जायेगी तथा परिसर में यथा स्थान पर पानी की प्लास्टिक बोतलों को क्रश करने हेतु क्रश मशीन की व्यवस्था की जायेगी। साथ ही राजभवन परिसर में पीने के पानी हेतु वाटर डिस्पेंसर तथा आगंतुकों की सुविधा हेतु सचल शौचालय की भी व्यवस्था की जायेगी।
- दिव्यांग बच्चों हेतु राजभवन परिसर में 10 व्हील चेयर की व्यवस्था की जायेगी तथा राजभवन के मुख्य प्रवेश द्वार पर थर्मल स्कैनिग मशीन, मास्क एवं सैनेटाइजर की व्यवस्था की जायेगी।
- विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी ओ0एन0जी0सी0 द्वारा बसन्तोत्सव के दौरान प्रथम दिवस को विभिन्न आयु वर्ग के स्कूली बच्चों को जूट बैग्स उद्यान विभाग से समन्वय कर यथा समय उपलब्ध कराये जायेंगे।
- इस वर्ष सम्पूर्ण बसन्तोत्सव कार्यक्रम को पॉलीथीन मुक्त रखा जायेगा।
- आयोजन में टैण्ट व स्टॉल कोविड–19 के निर्धारित मानकों के दृष्टिगत दूरी व अन्य आवश्यक निर्देशों का पालन करते हुए ही स्थापित किये जायेंगे। बिना

मास्क वाले व्यक्तियों/आगंतुकों को राजभवन परिसर में प्रवेश नहीं करने दिया जायेगा।

बसन्तोत्सव–2021 के अन्य मुख्य कार्यक्रम–

- इस वर्ष भी बसन्तोत्सव में 'वर्टिकल गार्डन' के माध्यम से नगरीय क्षेत्रों में औद्यानिकी को बढ़ावा देने हेतु पहल की गयी है, जिसमें कम स्थान पर विशेषकर घर की छत/बॉलकनी में पुष्पों एवं जैविक सब्जियों की खेती को प्रदर्शित किया जायेगा।
- बसन्तोत्सव में इस वर्ष भी मौसम से सम्बन्धित जानकारी प्रदान करने हेतु मौसम विभाग द्वारा स्टॉल लगाया जायेगा।
- इस वर्ष पुष्प उत्पादकों व पुष्प क्रेताओं के मध्य सीधे सामन्जस्य स्थापित करने हेतु उत्तराखण्ड औद्यानिक बोर्ड द्वारा क्रेता–विक्रेता सभा का आयोजन किया जा रहा है।
- आई0टी0बी0पी0 द्वारा आपदा एवं उसके बचाव हेतु विभिन्न प्रबन्धन तकनीकी की जानकारी प्रदान करने हेतु एवं उपयोग में लाये जाने वाले यन्त्रों के प्रदर्शन हेतु स्टॉल लगाया जायेगा।
- बसन्तोत्सव के अवसर पर डाक टिकट प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जा रहा है।
- आर्ट गैलरी के माध्यम से विभिन्न पेन्टिंग्स का प्रदर्शन राजभवन ऑडिटोरियम गैलरी में किया जायेगा।

बसन्तोत्सव–2021 का प्रचार–प्रसार–

- बसन्तोत्सव–2021 के वृहद प्रचार–प्रसार हेतु जनपद देहरादून के विशिष्ट स्थानों में होर्डिंग व बैनर्स लगाये गये हैं।
- इस वर्ष भी ''फूलों'' से सजे वाहन के माध्यम से देहरादून शहर के विभिन्न मार्गों पर बसन्तोत्सव का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जा रहा है।
- राज्य में पुष्प उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु विगत वर्ष की भॉति इस वर्ष भी उद्यान विभाग द्वारा वैबसाईट (www.uttarakhandspringfestival.in) पर बसन्तोत्सव सम्बन्धी जानकारी उपलब्ध करायी गयी है।

पुष्प उत्पादकों हेतु प्रदेश में संचालित योजनाएं

1. केन्द्रपोषित योजनाः–

- **हार्टिकल्चर मिशन फॉर नॉर्थ इस्ट एण्ड हिमालयन स्टेट्स (HMNEH)** योजनान्तर्गत कृषकों को संरक्षित खेती एवं खुले वातावरण में फूलों की खेती करने हेतु प्रदान की जा रही राज सहायता का विवरण निम्नानुसार हैः–

क्र0 सं0	योजना	उद्देश्य	राज सहायता का विवरण	अधिकतम सीमा प्रति लाभार्थी (है0 / वर्गमी0 में)
1	**नये उद्यानों की स्थापना**			
	पुष्प क्षेत्र विस्तार	कृषकों को पुष्प उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु पुष्प रोपण सामग्री उपलब्ध कराकर, क्षेत्रफल विस्तार कराना। 1. खुले पुष्प 2. डंडीयुक्त पुष्प 3. बल्बयुक्त पुष्प	1. रू0 40,000/– प्रति है0 का 50% 2. रू0 1,00,000/– प्रति है0 का 50% 3. रू0 1,50,000/– प्रति है0 का 50%	2 है0
2	**संरक्षित खेती**			
अ	पॉलीहाउस/ ग्रीन हाउस निर्माण	संरक्षित वातावरण में सब्जी एवं पुष्पों की बागवानी को प्रोत्साहित करने हेतु राज सहायता प्रदान करना। विभिन्न फूलों एवं सब्जियों की संरक्षित खेती करने हेतु फेन एण्ड पैड सिस्टम पालीहाउस	कुल लागत का 50 प्रतिशत 500 वर्गमी0 तक–कुल लागत रु. 1897.50/– प्रति वर्गमी0 500 से 1008 वर्गमीटर तक–कुल लागत रु. 1684.75/ प्रति वर्ग मीटर 1008 से 2080 वर्गमीटर तक–कुल लागत रू0 1633.00/ प्रति वर्ग मीटर 2080 से 4000 वर्गमीटर तक–कुल लागत रू0 1610.00/ प्रति वर्ग मीटर	4000 वर्ग मीटर
		विभिन्न फूलों एवं सब्जियों की संरक्षित खेती करने हेतु ट्यूबलर स्ट्रक्चर पालीहाउस	कुल लागत का 50 प्रतिशत 500 वर्गमीटर तक–कुल लागत रू0 1219.00/– प्रति वर्ग मीटर 500 से 1008 वर्गमीटर तक–कुल लागत रू0 1075.25/ प्रति वर्ग मीटर 1008 से 2080 वर्गमीटर तक–कुल लागत रू0 1023.50/ प्रति वर्ग मीटर 2080 से 4000 वर्गमीटर तक–कुल लागत रू0 970.60/ प्रति वर्ग मीटर	

क्र0 सं0	योजना	उद्देश्य	राज सहायता का विवरण	अधिकतम सीमा प्रति लाभार्थी (है0 / वर्गमी0 में)
ब	संरक्षित खेती के लिये रोपण की व्यवस्था	• पुष्प (आर्किड, एन्थोरियम) • पुष्प (कारनेशन, जरबेरा) • पुष्प (गुलाब / लिलियम)	• रू0 700 प्रति वर्गमीटर का 50 प्रतिशत • रू0 610 प्रति वर्गमीटर का 50 प्रतिशत • रू0 426 प्रति वर्गमीटर का 50 प्रतिशत	4000 वर्ग मीटर

- **राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड** द्वारा भी प्रदेश में ऋण आधारित बैक एण्डिड सब्सिडी के माध्यम से 4000 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल के पॉलीहाउस स्थापना हेतु 50 प्रतिशत तक की राजसहायता प्रदान की जाती है।

2. राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त सहायता

- **मुख्यमंत्री सरंक्षित खेती योजनान्तर्गत** बागवानी मिशन (HMNEH) में प्रदान की जाने वाली 50 प्रतिशत राज सहायता के अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा 500 वर्गमीटर क्षेत्रफल तक के पॉलीहाउस स्थापना हेतु 30 प्रतिशत राज सहायता अर्थात कुल 80 प्रतिशत राज सहायता प्रदान की जाती है।
- **पॉच वर्ष से अधिक पुराने पॉलीहाउसों** की जीर्ण–शीर्ण पॉलीथीन बदलाव हेतु कुल लागत का 75 प्रतिशत राज सहायता प्रदान की जाती है।
- **मुख्यमंत्री एकीकृत बागवानी विकास योजना** के अन्तर्गत अन्य औद्यानिक फसलों के साथ ही पुष्पों हेतु पौध रोपण सामग्री, कूल हाउस / रेफ्रिजरेटेड वैन आदि पर 50 प्रतिशत राजसहायता की व्यवस्था है।

ऋऋऋऋऋऋऋऋ